बरकतउल्ला विश्वविद्यालय, भोपाल

भाग अ– मेजर– प्रश्न पत्र–1			
स्नातक उपाधि पाठ्यक्रम	कक्षाः– बी.ए.	वर्ष/सत्र तृतीय वर्ष	सत्र 2023–24
विषय : संस्कृत			

1	पाठयक्रम का कोड	A3-SANS 1D	
2	पाठयक्रम का शीर्षक	**गीतादर्शन, व्याकरण और भाषाविज्ञान**	
3	पाठयक्रम का प्रकार : (कोर कोर्स/इलेक्टिव/जेनेरिक इलेक्टिव/वोकेशनल.....)	DSE Group A Paper I कोर कोर्स	
4	पूर्वापेक्षा (Prerequisite)		
5	पाठयक्रम अध्ययन की परिलब्धियॉ (कोर्स लर्निंग आउट कम) (CLO)	1 निष्काम कर्म करने की प्रेरणा प्रदान करता है। 2 भारतीय संस्कृति में आत्मा के स्वरूप पर प्रकाश । 3 प्राचीन वर्णाश्रम की अवधारणा का अवबोध व वैशिष्ट्य । 4 प्राचीन गुरू शिष्य परम्परा का सम्यक् ज्ञान। 5 प्राचीन भारतीय जीवन पद्धति से छात्रों को अवगत कराना। 6 पितृभक्ति और अध्यात्म विद्या पर प्रकाश। 7 छात्रों का भाषा विज्ञान के विविध आयामों से परिचत कराना। 8 भारतीय एवं अन्य भाषाओं के ज्ञान और परिष्कार में सहायक।	
6	क्रेडिट मान	6+0 = 6	
7	कुल अंक	अधिकतम अंक : 30+70	न्यूनतम उत्तीर्ण अंक : 35

भाग ब– पाठयक्रम की विषय वस्तु

व्याख्यान की कुल संख्या– ट्यूटोरियल– प्रायोगिक (प्रति सप्ताह घंटे में) : **L-T-P : 3 घंटे**

इकाई	विषय	व्याख्यान की संख्या
प्रथम	**श्रीमद्भगवद्गीता** द्वितीय अध्याय– पाठ्यांश की व्याख्या एवं समीक्षात्मक प्रश्न	18
द्वितीय	**मनुस्मृति नवनीतम्** पाठ्यांश की व्याख्या एवं आलोचनात्मक प्रश्न	18
तृतीय	**कठोपनिषद् एवं ईशावास्योपनिषद्** सामान्य परिचय – (दोनो पर आधारित समीक्षात्मक प्रश्न)	18
चतुर्थ	**व्याकरण** लघुसिद्धान्त कौमुदी– (अ) कृदन्तप्रत्यय अनीयर् , यत्, ण्यत् , क्त्वा , ल्यप् , क्त , तुमुन् क्तवतु , शतृ , शानच् (ब) तद्धित प्रत्यय– अण् , मतुप् , इनि , त्व , तल् , ढक् (स) स्त्री प्रत्यय– टाप् , ङीन्	18

05/01/2023
(डॉ अरुण लाल)

पंचम	**भाषा विज्ञान का स्वरूप, भाषा विज्ञान का महत्व तथा उपभाषा** भाषा विज्ञान की शाखाओं का परिचय– (अ) ध्वनि विज्ञान – 1 (इ) प्रोक्ति विज्ञान - 1 (ब) पद (रूप) विज्ञान – 1 (स) वाक्य विज्ञान – 1 (द) अर्थ विज्ञान – 1	18
सार बिंदु (की वर्ड)/टैग :		

भाग स–अनुशंसित अध्ययन संसाधन

पाठय पुस्तकें, संदर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन

अनुशंसित सहायक पुस्तकें/ग्रन्थ/अन्य पाठय संसाधन/पाठय सामग्री :

1 श्रीमद्भगवद्गीता -- शाङ्कर भाष्य, गीता प्रेस, गोरखपुर
2 मनुस्मृति नवनीतम् – आचार्य रामजी उपाध्याय, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
3 कठोपनिषद् – बैजनाथ पाण्डेय, मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी, 2012–13
4 ईशावास्योपनिषद् – व्याख्याकार विजयशंकर पाण्डेय, मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी, 2012–13
5 लघुसिद्धान्त कौमुदी – आचार्य ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
6 वृहदनुवादचंद्रिका – चक्रधर नोटियाल हंस, मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी, 2012–13
7 रचनानुवाद कौमुदी – डॉ. कपिलदेव द्विवेदी,
8 भाषा विज्ञान की भूमिका – डॉ. देवेन्द्र नाथ शर्मा
9 भाषा विज्ञान एवं भाषाशास्त्र – डॉ. कपिलदेव द्विवेदी
10 भाषा विज्ञान – डॉ. भोलानाथ तिवारी
11 भाषा विज्ञान – डॉ. कपिलदेव द्विवेदी
12 लघुसिद्धान्त कौमुदी – गोविन्दाचार्य, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
13 लघुसिद्धान्त कौमुदी – दीनानाथ तिवारी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी

अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठयक्रम

भाग द– अनुशंसित मूल्यांकन विधियॉ

अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियॉ
अधिकतम अंक : 100
सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE) अंक : 30 विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE) अंक : 70

आंतरिक मूल्यांकन : सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE)	क्लास टेस्ट असाइनमेंट/प्रस्तुतीकरण (प्रेजेंटेशन)	15 15 कुल अंक : 30
आंकलन : विश्वविद्यालयीन परीक्षा समय : 0 .00 घंटे	अनुभाग (अ) : अति लघु प्रश्न अनुभाग (ब) : लघु प्रश्न अनुभाग (स) : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	कुल अंक **70**

05/01/2023
(डॉ० अन्द्रदेलाल)

बरकतउल्ला विश्वविद्यालय, भोपाल

भाग अ– मेजर– प्रश्न पत्र– 2			
स्नातक उपाधि पाठ्यक्रम	कक्षा:– बी.ए.	वर्ष / सत्र तृतीय वर्ष	सत्र 2023–24

विषय : संस्कृत

1	पाठयक्रम का कोड	A3- SANS2D
2	पाठयक्रम का शीर्षक	**काव्य, छंद एवम् अलंकार**
3	पाठयक्रम का प्रकार : (कोर कोर्स / इलेक्टिव / जेनेरिक इलेक्टिव / वोकेशनल.............)	DSE - GroupA Paper II कोर कोर्स
4	पूर्वापेक्षा (Prerequisite)	
5	पाठयक्रम अध्ययन की परिलब्धियॉं (कोर्स लर्निंग आउट कम) (CLO)	1 प्राचीन गुप्तचर व्यवस्था एवं आदर्श राजनीति के तत्वज्ञान में सहायक। 2 आदर्श दाम्पत्य जीवन की प्रेरणा। 3 नाट्यकला एवं चित्रकला का अवबोध। 4 करूण रस के परिपाक की चरम अनुभूति कराने में सहायक। 5 भारतीय सांस्कृतिक जीवन मूल्यों का अभिवर्धन एवं पात्रों के मनोवैज्ञानिक चित्रण कराने में समर्थ। 6 भारतीय जीवन पद्धति के विविध पक्षों पर प्रकाश एवं राष्ट्रप्रेम की अवधारणा का पोषक। 7 आधुनिक संस्कृत कवि परम्परा के वैशिष्ट्य से छात्र परिचित होंगे। 8 नई पीढ़ी के लिए काव्य सर्जना में सहायक।
6	क्रेडिट मान	6+0 = 6
7	कुल अंक	अधिकतम अंक : 30+70 न्यूनतम उत्तीर्ण अंक : 35

भाग ब– पाठयक्रम की विषय वस्तु

व्याख्यान की कुल संख्या– ट्यूटोरियल-- प्रायोगिक (प्रति सप्ताह घंटे में) : **L-T-P : 3 घंटे**

इकाई	विषय	व्याख्यान की संख्या
प्रथम	**किरातार्जुनीयम्** प्रथम सर्ग– पाठ्यांश से व्याख्या एवं आलोचनात्मक प्रश्न । संपूर्ण रचना पर आधारित	18
द्वितीय	**उत्तर रामचरितम्** प्रथम अंक– पाठ्यांश से व्याख्या एवं सम्पूर्ण नाटक पर आधारित समीक्षात्मक प्रश्न ।	18
तृतीय	**नवस्पन्द** (अ) कवि परिचय 1 अप्पाशास्त्री राशिवडेकर 2 पंडिता क्षमाराव 3 जानकी वल्लभशास्त्री 4 श्रीनिवासरथ 5 स्वामी रामभद्राचार्य 6 डॉ. रेवाप्रसाद द्विवेदी 7 डॉ.	18

05/01/2023
(डॉ० अवधेशलाल)

	मिथिला प्रसाद त्रिपाठी 8 डॉ. राजेन्द्र मिश्र 9 डॉ. भास्कराचार्य त्रिपाठी 10 डॉ. राधावल्लभ त्रिपाठी **(ब)** रचना परिचय 1 पंजरबद्धशुक 2 अन्त्यजोद्धार 3 भारती वसंतगीति 4 पुरूषार्थ संहिता 5 राघवाभ्युदयम् 6 रामपरिसंख्या 7 भावमाला 8 मृद्वीका 9 निर्झरणी 10 धीवरगीतम्	
चतुर्थ	**संस्कृत काव्यविधाओं का परिचय** महाकाव्य, गीतिकाव्य, गद्यकाव्य, कथा साहित्य तथा चम्पूकाव्य	18
पंचम	**छन्द एवं अलंकार** अ– छन्द– अनुष्टुप् , इन्द्रवज्रा , उपेन्द्रवज्रा, वंशस्थ , स्रग्विणी , वसंततिलका , मंदाक्रांता , शार्दूल विक्रीडितम् , स्रग्धरा, ब– अलंकार– अनुप्रास, यमक, श्लेष, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, अर्थान्तरन्यास, विभावना, विशेषोक्ति, (काव्य प्रकाश से)	18

सार बिंदु (की वर्ड)/टैग :

भाग स–अनुशंसित अध्ययन संसाधन

पाठय पुस्तकें, संदर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन

1. ग्रामीण विकास – कतार सिंह

अनुशंसित सहायक पुस्तकें/ग्रन्थ/अन्य पाठय संसाधन/पाठय सामग्री :

1 किरातार्जुनीयम्– (महाकवि भारवि विरचित) तारिणीश झा
2 उत्तररामचरितम्– (महाकवि भवभूतिकृत) डॉ. कृष्णकान्त
3 काव्यप्रकाश– (आचार्य मम्मटकृत) श्रीनिवास शास्त्री
4 उत्तर रामचरित– डॉ रमाशंकर त्रिपाठी , विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 1980
5 छन्दोऽलंकार सौरभम्– डॉ. राजेन्द्र मिश्र
6 छन्दोमंजरी (हिन्दी)– व्याख्याकार परमेश्वरी पाण्डेय, चौखम्बा. संस्कृत सीरीज, वाराणसी, 2007
7 राघवाभ्युदयम्– स्वामी रामभद्राचार्य
8 निर्झरिणी– डॉ. भास्कराचार्य त्रिपाठी
9 रामपरिसंख्या– डॉ. रेवाप्रसाद द्विवेदी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
10 मृद्वीका– डॉ. राजेन्द्र प्रसाद मिश्र, अक्षयवट, प्रकाशन, इलाहाबाद
11 भावमाला– डॉ. मिथिला प्रसाद त्रिपाठी, श्री केशव स्मृति प्रकाशन, जगदीशपुर होशंगाबाद
12 अलंकारसर्वस्व– संजीविनी, रामचन्द्र द्विवेदी मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी, 2012–13
13 अलंकार प्रकाश– जयन्त मिश्र, मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी, 2012–13
14 अलंकारप्रभा– जनार्दन शास्त्री पाण्डेय, मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी, 2012–13
15 छन्दःप्रभा– रामसम्मुख द्विवेदी, मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी, 2012–13
16 चंद्रालोक– जयदेव, व्याख्याकार सुबोधचन्द्र पंत , मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी, 2012–13
17 छन्दोविंशतिका– रामचंद्र झा, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
18 उत्तररामचरितम्– डॉ. जनार्दन पाण्डेय , मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी, 2012–13

अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठयक्रम

भाग द– अनुशंसित मूल्यांकन विधियॉ

अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियॉ
अधिकतम अंक : 100
सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE) अंक : 30 विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE) अंक : 70

05/01/2023
(डॉ अच्छेलाल)

आंतरिक मूल्यांकन : सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE)	क्लास टेस्ट असाइनमेंट / प्रस्तुतीकरण (प्रेजेंटेशन)	15 15 कुल अंक : 30
आंकलन : विश्वविद्यालयीन परीक्षा समय : (.00 घंटे	अनुभाग (अ) : अति लघु प्रश्न अनुभाग (ब) : लघु प्रश्न अनुभाग (स) : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	कुल अंक **70**

05/01/2023
(डॉ अच्छेलाल)

बरकतउल्ला विश्वविद्यालय, भोपाल

वैकल्पिक (अथवा)

भाग अ– मेजर– प्रश्न पत्र– 1			
स्नातक उपाधि पाठ्यक्रम	कक्षाः– बी.ए.	वर्ष/सत्र तृतीय वर्ष	सत्र 2023–24

विषय : संस्कृत

1	पाठयक्रम का कोड	A3-SANS3D
2	पाठयक्रम का शीर्षक	**साहित्य शास्त्रीय चिंतन**
3	पाठयक्रम का प्रकार : (कोर कोर्स/इलेक्टिव/जेनेरिक इलेक्टिव/वोकेशनल.....)	DSE, Group B Paper I कोर कोर्स
4	पूर्वापेक्षा (Prerequisite)	
5	पाठयक्रम अध्ययन की परिलब्धियॉ (कोर्स लर्निंग आउट कम) (CLO)	1 प्राचीन साहित्यशास्त्र की चिंतन परम्परा से छात्रों को परिचित कराना। 2 काव्यसर्जन हेतु का.शा. से मौलिक सिद्धांतों का ज्ञान कराकर छात्रों में अभिरूचि जागृत करना। 3 साहित्यशास्त्रीय विविध चिंतन परम्पराओं से छात्रों को अवगत कराना। 4 छात्रों को काव्यतत्वों का समग्रबोध कराना। 5 काव्य की सार्वजनीन और सार्वकालिक महिमा को रेखांकित करना। 6 छात्रों में कल्पनाशक्ति का विकास एवं काव्य सौंदर्य बोध कराना।
6	क्रेडिट मान	6+0 = 6
7	कुल अंक	अधिकतम अंक : 30+70 / न्यूनतम उत्तीर्ण अंक : 35

भाग ब– पाठयक्रम की विषय वस्तु

व्याख्यान की कुल संख्या– ट्यूटोरियल– प्रायोगिक (प्रति सप्ताह घंटे में) : **L-T-P : 3 घंटे**

इकाई	विषय	व्याख्यान की संख्या
प्रथम	प्रमुख साहित्य शास्त्रीय सम्प्रदाय परिचय।	18
द्वितीय	काव्य लक्षण, हेतु और प्रयोजन।	18
तृतीय	काव्य के भेद और शब्दशक्तियाँ।	18
चतुर्थ	रस का स्वरूप और रस के भेद।	18
पंचम	काव्यगुण और रीतियाँ।	18

सार बिंदु (की वर्ड)/टैग :

भाग स–अनुशंसित अध्ययन संसाधन

पाठय पुस्तकें, संदर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन

05/01/2023
(डॉ. अब्दुलाल)

अनुशंसित सहायक पुस्तकें / ग्रन्थ / अन्य पाठय संसाधन / पाठय सामग्री :		
1 काव्यालंकार– आचार्य भामहकृत। 2 काव्यप्रकाश– आचार्य मम्मट रचित। 3 साहित्यदर्पण– आचार्य विश्वनाथकृत। 4 साहित्यशास्त्र का इतिहास आचार्य बलदेव उपाध्याय 5 संस्कृत आलोचना– आचार्य बलदेव उपाध्याय 6 नाट्यशास्त्र– आचार्य भरतमुनिरचित। 7 संस्कृत काव्यशास्त्रीय इतिहास– जगदीचंद्र मिश्र, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी 8 भारतीय काव्यशास्त्र– राजवंशसहाय हीरा, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणासी 9 काव्यशास्त्र का इतिहास–पी.वी. काणे 10 अलंकार शास्त्र का इतिहास– डॉ. कृष्णकुमार, साहित्य भण्डार, मेरठ 11 अलंकार शास्त्र का इतिहास– रामदेव साहू, पंचशील प्रकाशन जयपुर		
अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठयक्रम		
भाग द– अनुशंसित मूल्यांकन विधियॉ		
अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियॉ अधिकतम अंक : 100 सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE) अंक : 30 विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE) अंक : 70		
आंतरिक मूल्यांकन : सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE)	क्लास टेस्ट असाइनमेंट / प्रस्तुतीकरण (प्रेजेंटेशन)	15 15 कुल अंक : 30
आंकलन : विश्वविद्यालयीन परीक्षा समय : 0. .00 घंटे	अनुभाग (अ) : अति लघु प्रश्न अनुभाग (ब) : लघु प्रश्न अनुभाग (स) : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	कुल अंक **70**

05/04/2023
(डॉ॰ अन्द्देलाल)

बरकतउल्ला विश्वविद्यालय, भोपाल

भाग अ– मेजर– प्रश्न पत्र– 2			
स्नातक उपाधि पाठ्यक्रम	कक्षाः– बी.ए.	वर्ष/सत्र तृतीय वर्ष	सत्र 2023–24
विषय : संस्कृत			

1	पाठ्यक्रम का कोड	A3-SANS4D
2	पाठ्यक्रम का शीर्षक	**रूपक परिचय और प्रयोग**
3	पाठ्यक्रम का प्रकार : (कोर कोर्स/इलेक्टिव/जेनेरिक इलेक्टिव/वोकेशनल.............)	DSE Group B Paper II कोर कोर्स
4	पूर्वापेक्षा (Prerequisite)	
5	पाठ्यक्रम अध्ययन की परिलब्धियॉं (कोर्स लर्निंग आउट कम) (CLO)	1 छात्र रूपकविधाओं और नाट्यतत्वों से परिचित हो सकेंगे। 2 नाटकीय विषय वस्तु के अवबोध तथा चयन में सहायक। 3 छात्रों में संवाद योजना एवं कथोपकथन की कला का विकास। 4 विविध पात्रों के स्वरूप एवं विशेषताओं का ज्ञान कराना। 5 अभिव्यक्ति कौशल का विकास। 6 विविध नाट्यरसों के ज्ञान में सहायक। 7 अभिनयक्षेत्र एवं रंगमंचीय कला कौशल का विकास
6	क्रेडिट मान	6+0 = 6
7	कुल अंक	अधिकतम अंक : 30+70 | न्यूनतम उत्तीर्ण अंक : 35

भाग ब– पाठ्यक्रम की विषय वस्तु

व्याख्यान की कुल संख्या– ट्यूटोरियल– प्रायोगिक (प्रति सप्ताह घंटे में) : **L-T-P : 3 घंटे**

इकाई	विषय	व्याख्यान की संख्या
प्रथम	रूपक का स्वरूप, प्रकार, आवश्यकता तथा महत्व।	18
द्वितीय	कथावस्तु स्वरूप और भेद।	18
तृतीय	पात्रयोजना।	18
चतुर्थ	रसयोजना।	18
पंचम	रूपक प्रयोग– अ) रंगमञ्च स्वरूप, परिचय, भेद ब) अभिनय कला परिचय व प्रयोग नोट– संस्कृत का द्वितीय वर्ष में मेजर और माईनर (पूर्वापेक्षा) प्रश्न पत्रों के रूप में अध्ययन किया गया है।	18

सार बिंदु (की वर्ड)/टैग :

भाग स–अनुशंसित अध्ययन संसाधन

05/01/2023
(डॉ. अटट्लेलाल)

पाठय पुस्तकें, संदर्भ पुस्तकें, अन्य संसाधन
अनुशंसित सहायक पुस्तकें/ग्रन्थ/अन्य पाठय संसाधन/पाठय सामग्री :
1 दशरूपकम्– आचार्य धनञ्जय रचित।
2 साहित्यदर्पण– आचार्य विश्वनाथकृत।
3 नाट्यशास्त्रम्– भरतमुनि विरचित।
4 नाट्यदर्पण–रामचन्द्र गुणचन्द्र कृत।
5 नाट्यशास्त्र का इतिहास– डॉ. पारसनाथ द्विवेदी
6 संस्कृत नाटक– ए.बी.कीथ
7 संस्कृत नाट्यकोश– चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
8 संस्कृत नाट्यसिद्धांत– रमाकांत त्रिपाठी, चौखम्बा विद्या भवन, वाराणसी
9 संस्कृत नाट्यकला– डॉ. रामलखन शुक्ल, मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी
10 नाट्यशास्त्र एवं रंगमंच– डॉ. रामसागर त्रिपाठी, अशोक प्रकाशन, दिल्ली।
11 रंगमंच–रामचंद्र, सरोज साहित्य भण्डार, इलाहाबाद।
12 संस्कृत नाटक और रंगमंच– डॉ. भगवतीलाल राजपुरोहित, शिवालिक प्रकाशन, दिल्ली, 2003.
अनुशंसित समकक्ष ऑनलाइन पाठयक्रम

भाग द– अनुशंसित मूल्यांकन विधियॉ

अनुशंसित सतत मूल्यांकन विधियॉ
अधिकतम अंक : 100
सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE) अंक : 30 विश्वविद्यालयीन परीक्षा (UE) अंक : 70

आंतरिक मूल्यांकन : सतत व्यापक मूल्यांकन (CCE)	क्लास टेस्ट असाइनमेंट/प्रस्तुतीकरण (प्रेजेंटेशन)	15 15 कुल अंक : 30
आंकलन : विश्वविद्यालयीन परीक्षा समय : 0 .00 घंटे	अनुभाग (अ) : अति लघु प्रश्न अनुभाग (ब) : लघु प्रश्न अनभाग (स) : दीर्घ उत्तरीय प्रश्न	कुल अंक 70

05/01/2023
(डॉ अच्छेलाल)